दादी गुलज़ार शांति उपवन का भव्य उद्घाटन

» पूरे विश्व में शांति के प्रकम्पन फैलाने के निमित्त बनेगा यह स्थल - दादी

'दादी गुलज़ार शांति उपवन' का उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. चक्रधारी तथा अन्य अतिथिगण।

गुरूग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मानेसर से कुछ ही दूरी पर स्थित दादी गुलज़ार शांति उपवन का उद्घाटन बड़े ही भव्य समारोह के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि ये भूमि दादी गुलज़ार की तपस्या स्थली रही है इसलिए ये हम सभी के लिए परमात्मा का वरदान है। उन्होंने कहा कि यहाँ पर योग साधना का एक ऐसा शक्तिशाली वातावरण बनाना है, जिससे आकर्षित हो कोई भी व्यक्ति यहाँ आकर गहन शान्ति का अनुभव कर सके। दादी ने कहा कि वर्तमान समय विश्व की सभी आत्माओं को केवल मन की शांति की आवश्यकता है, जिसके लिए इस प्रकार के शक्तिशाली स्थान की ज़रूरत है। कार्यक्रम में संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी, ब्र.कु. शुक्ला दीदी, ब्र.कु. चक्रधारी दीदी एवं संस्था के अन्य कई वरिष्ठ सदस्यों ने शांति उपवन के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम में दिल्ली एवं एन.सी.आर. से बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने शिरकत की।

क्या है खासियत

» 4 एकड़ भूमि पर बना है यह उपवन

» लम्बे काल तक दादी गुलज़ार ने एकांत में रहकर योग-तपस्या द्वारा इस स्थान को बनाया शक्तिशाली

» यहाँ स्वतः होती है मन को शांति की अनुभूति

दादी हृदयमोहिनी बनीं संस्थान की मुख्य प्रशासिका

शांतिवन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के अव्यक्तारोहण के पश्चात् 94 वर्षीय दादी हृदयमोहिनी को संस्थान की मुख्य प्रशासिका नवनियुक्त किया गया है। दादी हृदयमोहिनी बाल्यकाल से ही इस संस्थान से जुड़कर देश तथा विदेश में आध्यात्मिक एवं मानवता की सेवा कर रही हैं। इसके पूर्व दादी अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका के रूप में कार्यरत थीं। अब उन्हें मुख्य प्रशासिका का कार्यभार सौंपा गया है।

दादी रतनमोहिनी को संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका के रूप में नवनियुक्त किया गया है। पूर्व में दादी सह-प्रशासिका के रूप में कार्य कर रही थीं। दादी संस्था की अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों को शुरू से ही सक्रिय रूप से देखती रही हैं। मुख्य रूप से संस्थान के समर्पित टीचर भाई-बहनों का सर्वांगीण विकास करने हेतु अपना अमूल्य समय देती रही हैं।

दादी पूर्णशांता को सह-प्रशासिका के रूप में नवनियुक्त किया गया है। वे भी बचपन से ही इस संस्थान में आंतरिक प्रशासनिक कार्य को देखती रही हैं। वे ज्ञान और योग की अनुभूतियों की खान हैं। अब वे संस्थान को सह-प्रशासिका के रूप में अपनी बहुमूल्य सेवायें प्रदान करेंगी।

परमात्मा द्वारा सिखाया गया राजयोग मेडिटेशन ही जीवन जीने की श्रेष्ठ कला

जूनागढ़-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जोषीपरा, सिंधी सोसायटी में आयोजित 'संगीतमय सम्पूर्ण स्वास्थ्य योग शिविर' में तन के साथ मन को स्वस्थ रखने का सहज मार्ग बताते हुए ब्र.कु. संजय,दिल्ली ने कहा कि वर्तमान समय चारो ओर तनाव, भय, चिन्ता, डिप्रेशन फैलता जा रहा है, ऐसे में तन-मन को सम्पूर्ण स्वस्थ रखने के लिए रोज़ व्यायाम के साथ आध्यात्मिकता और सद्गुणों को जीवन का एक हिस्सा बनाना पड़ेगा। खुशी, श्रेष्ठ संकल्प और मेडिटेशन बीमारी को दूर करने की सर्वोत्तम दवा है। उन्होंने संगीत के ताल के साथ एक्सरसाइज़ और एक्यूप्रेशर कराके सभी को हल्का कर दिया। इस अवसर पर ब्र.कु. दमयंती दीदी, ब्र.कु. बीना बहन तथा ब्र.कु.धरती बहन ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि परमात्मा द्वारा सिखाया गया राजयोग मेडिटेशन ही जीवन जीने की श्रेष्ठ कला है। इसे जीवन का एक हिस्सा बना दो, तो जीवन खुशनसीब, तनाव मुक्त बन जाएगा। साइलेन्स की शक्ति दुनिया की सर्वश्रेष्ठ-सर्वोच्च शक्ति है जो किसी भी समस्या वा मुश्किल में सहज पार करा देती है। इसके साथ ही उपस्थित जनसमूह को योग कॉमेन्ट्री द्वारा गहन शान्ति-शक्ति का अनुभव कराया गया।

महिला दिवस पर महिला संगोष्ठी

धमतरी-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिव्यधाम सेवाकेन्द्र में 'संस्कार, स्वास्थ्य और स्वच्छता की रक्षक - नारी' विषय पर आयोजित महिला संगोष्ठी में ब्र.कु. सरिता,निदेशिका,धमतरी ने कहा कि सृष्टि की रचना में ईश्वर ने नारी को रचना और पालना करने वाली माँ का स्थान दिया है जो और किसी को नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता हमें आंतरिक स्वच्छता और सुन्दरता प्रदान करता है तथा हमें अपनी ज़िम्मेवारियों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी से करने की उर्जा प्रदान करता है। ब्र.कु. सरस,सेवाकेन्द्र संचालिका ने कहा कि आज शारीरिक श्रृंगार पर ही सारा ध्यान होने के कारण और पद- प्रतिष्ठा की लालाच, कम्पीटीशन और कम्पैरिज़न की दौड़ में नारी का आंतरिक सौन्दर्य खो गया है। वर्तमान समय समाज के सामने कन्या भ्रूण हत्या रोकना सबसे बड़ी चुनौती है जिसके लिए हम सभी को संगठित रूप से प्रयास करना होगा। श्रीमती गुंजा साहू,अध्यक्ष जनपद पंचायत ने कहा कि हमें पूर्ण स्वच्छता, ईमानदारी, और साहस के साथ अपना कर्म करते रहना चाहिए।
श्रीमती संगीता अग्रवाल,योग एवं संगीत प्रशिक्षक ने कहा कि नारी को अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए किसी बड़े मंच,बड़े संगठन अथवा शासन के सहारे की ज़रूरत नहीं है। प्रत्येक नारी अपने घर परिवार से ही नारी सशक्तिकरण की शुरुआत कर सकती है। सुशीला तिवारी, पार्षद,विवेकानंद वार्ड ने कहा कि प्राचीन काल से ही नारी सशक्त है, जिसका उल्लेख वेद-पुराणों में भी है। जहां नारी की पूजा होती है वह स्थान स्वर्ग है, यह बात पुरानी है लेकिन आज भी उतनी ही सत्य और प्रामाणिक है। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु. जागृति ने किया। ब्र.कु. नवनीता ने नारी सम्मान में गीत प्रस्तुत किया।

बेहतर विश्व के नव निर्माण हेतु मातृ शक्ति का सम्मान

पानीपत-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ज्ञान मानसरोवर परिसर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में "महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन" विषय पर आयोजित विशाल कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती,यूरोप स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ने कहा कि आज का मनुष्य मंदिरों में तो देवियों की पूजा करता है लेकिन घर में रहने वाली मात-शक्ति जो भगवान ने देवियों के रूप में हमारे घरों में दी है उनका सम्मान नहीं करता है। उन्होंने कहा कि एक बेहतर विश्व के नव निर्माण के लिए हमें मातृ-शक्ति को आगे रखना होगा और उनका सम्मान करना होगा। महेंद्र सिंघी,चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर,डालमिआ भारत सीमेंट ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने इस धरती पर स्वर्ग का जो सपना देखा था वह कहीं न कहीं साकार होता नज़र आ रहा है। करनाल के सांसद संजय भाटिया की धर्मपत्नी अंजू भाटिया ने वन्दे मातरम कह करके मातृ शक्ति की वंदना की। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण,निदेशक, ज्ञान मानसरोवर ने कहा कि एक पुरुष भी धन की प्राप्ति के लिए माँ लक्ष्मी, बल की प्राप्ति के लिए माँ दुर्गा, विद्या की प्राप्ति के लिए माँ सरस्वती की ही आराधना करता है। इसलिए नारी शक्ति महान है और हमें सदैव उसका सम्मान करना चाहिए। ब्र.कु. चार्ली,राष्ट्रीय संयोजक, ब्रह्माकुमारीज़ ऑस्ट्रेलिया ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान की तथा ब्र.कु. जैस्मिन,लंदन ने ब्रह्माकुमारीज़ में आने के बाद का अनुभव सुनाया। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला,सर्कल इंचार्ज ने सभी को शुभकामनायें देते हुए राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. सुनीता ने कुशल मंच संचालन किया।
अंत में सभी ने बृज पुष्पा दादी की स्मृति में बने 3डी फिल्म शो सेमिनार हॉल का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महेंद्र सिघी की धर्मपत्नी चंदा सिंघी सहित 1500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

RNI NO RAJHN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th April 2020
प्रकाशक एवं संपादक : गंगाधर नरसिंघानी, सह-संपादक : ब्र.कु. अनुज, डी.बी. प्रिंट कॉर्प. जयपुर से मुद्रित एवं ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के लिए छपवाया। ई.मेल - omshantimedia@bkivv.org
कार्यालय : ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन, आबू रोड, (राज.) - 307510